सांध्य दैनिक 4PM

हम जो भी काम करते हैं, उसमें भक्ति का भाव होना चाहिए। ऐसे काम में सफलता के साथ सुख-शांति भी मिलती है।
- रामकृष्ण परमहंस

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 7 ● अंकः 296 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 3 दिसम्बर, 2021

ओमिक्रॉन को लेकर लखनऊ अलर्ट ... 8 | बसपा के वोट बैंक को समेटने... 3 | यमुना एक्सप्रेस-वे पर हादसा... 7

प्रदूषण पर यूपी सरकार की दलील पाकिस्तान से आ रही प्रदूषित हवा

सीजेआई बोले तो क्या वहां के उद्योग करा दें बंद

» उद्योगों को बंद करने से प्रदेश के आर्थिक रूप से पीछे जाने का दिया हवाला

» केंद्र सरकार ने टास्क फोर्स गठित करने की दी जानकारी, कल कोर्ट ने लगाई थी फटकार

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रदूषण पर सुनवाई के दौरान यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी दलीलें पेश कीं। सरकार की ओर से कहा गया कि प्रदूषित हवा पाकिस्तान से आ रही है। इस पर सीजेआई एनवी रमन ने चुटकी लेते हुए कहा कि तो आप पाकिस्तान में उद्योगों पर प्रतिबंध लगाना चाहते हैं। क्या हम वहां के उद्योगों को बंद कर दें। वहीं, प्रदूषण मामले में केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पांच सदस्यों की इंफोर्समेंट टास्क फोर्स गठित की गई है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उद्योगों के बंद होने से राज्य में गन्ना और दूध उद्योग प्रभावित होंगे और राज्य पीछे चला जाएगा। राज्य सरकार ने कहा कि पाकिस्तान से आ रही हवा से प्रदूषण फैला है। वहीं वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने शीर्ष कोर्ट में हलफनामा दायर कर कहा है कि उन्होंने वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के अपने निर्देशों के अनुपालन की निगरानी के लिए एक इंफोर्समेंट टास्क फोर्स का गठन किया है। 17 सदस्यीय फ्लाइंग टास्क फोर्स बनाई गई हैं। यह टास्क फोर्स प्रतिदिन रिपोर्ट लेगी। गौरतलब है कि गुरुवार को प्रदूषण को लेकर कोर्ट ने केंद्र व दिल्ली सरकार को फटकारा था।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

अस्पतालों के निर्माण कार्य को हरी झंडी

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को अस्पतालों की निर्माण गतिविधियों को जारी रखने की अनुमति दे दी है। मामले की अगली सुनवाई 10 दिसंबर को होगी। इससे पहले दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर कर राष्ट्रीय राजधानी में अस्पतालों की निर्माण गतिविधियों की अनुमति देने का आग्रह किया था। सरकार का कहना था कि कोरोना की तीसरी लहर के लिए तैयारी करने और उसका मुकाबला करने के लिए अस्पतालों के बुनियादी ढांचे में सुधार का काम शुरू कर दिया गया था और सात नए अस्पतालों का निर्माण शुरू किया गया था, लेकिन निर्माण प्रतिबंध के कारण काम बंद हो गया है।

टास्क फोर्स को विधायी शक्ति भी

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि सरकार की तरफ से प्रदूषण से निपटने के लिए इंफोर्समेंट टास्क फोर्स और फ्लाइंग स्क्वायड का गठन किया गया है। ये टास्क फोर्स पांच सदस्यों वाली हैं और इन्हें विधायी शक्तियां भी दी गई हैं। टास्क फोर्स के पास सजा देने और प्रिवेंटिव विधायी शक्तियां हैं। केंद्र सरकार ने कहा कि अगले 24 घंटे में फ्लाइंग स्क्वायड की संख्या बढ़ा कर 40 कर दी जाएगी। इंफोर्समेंट टास्क फोर्स की अध्यक्षता एमएम कुट्टी करेंगे और सीपीसीबी के चेयरमैन तन्मय कुमार इसके सदस्य होंगे।

मीडिया रिपोर्ट पर भड़का कोर्ट

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने स्कूल बंद करने वाले फैसले की रिपोर्टिंग पर भी सवाल उठाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमने अखबारों में देखा कि मीडिया का एक वर्ग यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि हम खलनायक हैं और स्कूलों को बंद करना चाहते हैं जबकि खुद दिल्ली सरकार ने कहा था कि स्कूल बंद कर रहे हैं और वर्क फ्रॉम होम शुरू कर रहे हैं लेकिन आज के अखबार देखें तो उसमें दिखाया गया है कि गुरुवार की अदालत की सुनवाई आक्रामक लड़ाई थी और मानो अदालत प्रशासनिक कर्तव्य संभालने की धमकी दे रही है। कोर्ट ने कहा कि पता नहीं यह जानबूझकर दिखाया जा रहा है या किसी और मकसद से बताया गया है।

भाजपा के झांसे में नहीं आएगी जनता, बदलाव तय: अखिलेश

4पीएम न्यूज नेटवर्क

» किसानों के साथ अंग्रेजों से भी अधिक क्रूर व्यवहार किया सरकार ने

» नोटबंदी कर लोगों को लगा दिया लाइन में, किसी के लिए कुछ नहीं किया

झांसी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज बुंदेलखंड के झांसी में समाजवादी विजय रथ यात्रा निकाली। इससे पहले अखिलेश यादव ने कहा कि बुंदेलखंड की जनता ने भाजपा को जमकर वोट दिए थे लेकिन उन्हें बदले में कुछ नहीं मिला। डबल इंजन की सरकार ने बुंदेलखंड के लिए कुछ नहीं किया। उल्टा जो काम पिछली सरकार ने चलाए थे, उन्हें भी बंद कर दिया। अब जनता भाजपा के झांसे में नहीं आएगी और इस बार बदलाव तय है।

उन्होंने कहा कि बुन्देलखण्ड की जनता पर इतना दुख संकट कभी नही आया होगा जितना इस सरकार ने दर्द दिया। लॉकडाउन के दौरान लोग बॉर्डर पर बिना खाये पिये पड़े रहे। इंट्री नहीं दी गई। ऐसे ही ललितपुर बॉर्डर में भी सरकार ने मजदूरों का साथ नहीं दिया। अब झांसी के लोग भाजपा के झांसे में नहीं आएंगे। भाजपा सरकार ने नोटबंदी कर लोगों को लाइन में लगवा दिया। अंग्रेजो से ज्यादा क्रूर व्यवहार इस सरकार ने किसानों के साथ किया। भाजपा को इस बार अंग्रेजो की तरह जनता वोट डाल कर भगा देगी। उन्होंने कहा, सरकार ने अगर वादा पूरा किया होता तो लॉकडाउन में लोगों को इतनी तकलीफ का सामना नही करना पड़ता। न डेटा दिया न लैपटॉप दिया न टैबलेट दिया। सबसे ज्यादा पुलिस कस्टडी में मौते हुई हैं। प्रदेश में कितना निवेश हुआ, सरकार बताएं? नाम और रंग बदलने वालों को जनता बदल देगी। प्रदेश में बदलाव की लहर चल रही है।

विजय रथ यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज झांसी में समाजवादी विजय रथ यात्रा को रवाना किया। रथयात्रा में हजारों लोगों की भीड़ उमड़ी। लोगों ने सपा प्रमुख का फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया।

विपक्ष बताए मथुरा में कृष्ण मंदिर बनना चाहिए या नहीं : केशव मौर्य

आगामी चुनाव को देखते हुए मथुरा का मुद्दा बनना तय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य द्वारा किए गए ट्वीट 'अयोध्या-काशी में मंदिर निर्माण जारी है, अब मथुरा की तैयारी है' के बाद यूपी में सियासत शुरू हो गई है। इस मसले पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया आने के बाद केशव प्रसाद मौर्य ने इस मामले में अखिलेश से पूछा है कि वह बताएं कि मथुरा में श्रीकृष्ण का भव्य मंदिर बनने का वह समर्थन करते हैं या विरोध।

प्रयागराज के अलकापुरी स्थित आवास पर अपने गृह जनपद कौशाम्बी रवानगी के पूर्व डिप्टी सीएम ने अखिलेश की प्रतिक्रिया आने के बाद मथुरा में मंदिर पर उन्हें सीधे घेरा। उन्होंने कहा श्री राम लला की जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण हो रहा है। काशी में बाबा विश्वनाथ का भव्य कॉरीडोर बन रहा है। मथुरा में भगवान श्री कृष्ण की जन्मभूमि पर भव्य मंदिर बने, यह हर कृष्ण भक्त की इच्छा है, आकांक्षा है। मैंने भी इसी भाव को प्रकट किया है। दरअसल अयोध्या में राम मंदिर निर्माण शुरू होने के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति ने भी करवट ली है। दशकों तक अयोध्या से पर्याप्त दूरी बनाए रहे और खुद को 'सेक्युलर' कहने वाले गैर भाजपाई दलों के नेताओं ने धीरे-धीरे हिंदुत्व की ओर भी सधे कदम रखे हैं। भाजपा पर भगवान राम के नाम पर राजनीति का आरोप लगाने के साथ सपा मुखिया अखिलेश यादव यदा-कदा भगवान कृष्ण को अपना आराध्य बताते रहे हैं। वह मथुरा, चित्रकूट सहित कई धर्मस्थलों पर गए, वहां से राजनीतिक कार्यक्रमों की भी शुरुआत की। गौरतलब है कि विगत माह भगवान कृष्ण की जन्मस्थली मथुरा और क्रीडास्थली वृंदावन को योगी आदित्यनाथ ने तीर्थस्थल घोषित किया था। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए मथुरा में भारतीय जनता पार्टी तीर्थस्थल के फैसले को चुनावी मुद्दों में शामिल कर सकती है।

हिंदुत्व के एजेंडे को धार दे रही भाजपा

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण शुरू होने के बाद से मथुरा जन्मभूमि प्रकरण जोर पकड़ रहा है। विगत वर्ष राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य जगदगुरु वासुदेवानंद सरस्वती ने भी कहा था कि पहले राम जन्मभूमि पर मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। राम मंदिर बनने के बाद काशी विश्वनाथ और मथुरा की कृष्ण जन्मभूमि को मुक्त कराने के लिए काम किया जाएगा। इसे कोई रोक नहीं सकता है। यूपी चुनाव को कुछ ही समय शेष है ऐसे में हिंदुत्व के एजेंडे को और मजबूत करने के लिए अब भाजपा ने नेता कार्य कर रहे हैं।

विपक्ष की सरकार होती तो जिन्ना के नाम पर होता विश्वविद्यालय

सहारनपुर में विश्वविद्यालय के शिलान्यास कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने मंच से प्रदेश में रहीं पूर्व की सरकारों के घेरने में कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा उनकी सरकार ने विवि का नाम मां शाकंभरी देवी के नाम पर रखा है, लेकिन यदि अखिलेश होते तो वह विश्वविद्यालय का नाम मां शाकंभरी देवी नहीं, बल्कि जिन्ना के नाम पर रखते। उप मुख्यमंत्री ने कहा विश्वविद्यालय 50.43 एकड़ भूमि पर बन रहा है, इसके लिए पहले चरण में 92 करोड़ रुपये जारी किए गए। उन्होंने कहा पहले चरण का कार्य 18 माह में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा है।

गोरखपुर में दो घंटे रहेंगे पीएम मोदी

एम्स और खाद कारखाना देश को करेंगे समर्पित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। हिन्दुस्तान उर्वरक रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) द्वारा स्थापित खाद कारखाना तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का लोकार्पण करने सात दिसंबर को गोरखपुर आ रहे पीएम मोदी करीब दो घंटा 15 मिनट गोरखपुर में रहेंगे।

प्रधानमंत्री के आगमन को देखते हुए एसपीजी की टीम आज गोरखपुर पहुंच जाएगी। प्रधानमंत्री सात दिसंबर को दोपहर बाद करीब 12:25 बजे विशेष विमान से गोरखपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वहां से हेलीकाप्टर द्वारा रवाना होकर करीब 12:50 बजे फर्टिलाइजर स्थित हेलीपैड पहुंचेंगे। वहां से सड़क मार्ग से मुख्य मंच तक जाएंगे। प्रधानमंत्री अपराह्न एक से 2:15 बजे तक मंच पर मौजूद रहेंगे और एम्स एवं खाद कारखाना का लोकार्पण करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री विशाल जनसभा को संबोधित भी करेंगे। अपराह्न करीब 2:20 बजे फर्टिलाइजर स्थित हेलीपैड से रवाना होकर प्रधानमंत्री 2.35 बजे एयरपोर्ट पहुचेंगे और वहां से पांच मिनट बाद दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। उधर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं केंद्रीय सूचना, प्रसारण एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर भी आज देर शाम तक गोरखपुर पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री रामीनगर स्थित दूरदर्शन केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में अर्थ स्टेशन एवं तीन एफएम रिले केंद्र का लोकार्पण करेंगे।

राजनीति में पूरी भागीदारी होगी तो ही महिला जवाबदेही तय करेगी : प्रियंका

आधी आबादी को साधने में जुटीं कांग्रेस महासचिव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का कहना है कि उत्तर प्रदेश में महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याएं हैं। महिलाओं की सुरक्षा और सक्शक्तीकरण, दलितों और कमजोर वर्गों पर अत्याचार, भ्रष्टाचार, खराब कानून व्यवस्था के भी सवाल हैं।

कोरोना के दौर में कुप्रबंधन से हुई मौतें भी हैं। ये सब प्रमुख चुनावी मुद्दे हैं। कांग्रेस इन्हें प्रमुखता से उठाते हुए चुनाव को पूरी तरह विकास पर केंद्रित रखने की कोशिश करेगी। मुख्यमंत्री के चेहरे की घोषणा के सवाल पर उनका कहना है कि अभी चुनाव में तीन महीने हैं, इंतजार कीजिए सब पता चल जाएगा। चुनाव के बाद अपनी राष्ट्रीय भूमिका पर उनका कहना है, उत्तर प्रदेश मेरे दिल के बेहद करीब है और मैं यहां के विकास के लिए काम करती रहना चाहूंगी।

एक बार फिर दोहराई कांग्रेस की प्रतिज्ञा

कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी ने अपनी ससुराल मुरादाबाद से चुनावी हुंकार भरी। मुरादाबाद में आयोजित प्रतिज्ञा रैली में भाजपा पर निशाना साधा। रैली में कांग्रेस की प्रतिज्ञाओं को दोहराई। सपा और बसपा पर भी प्रहार किया। उन्होंने लोगों से आह्वान किया है कि वह अपने नेताओं की जवाबदेही तय करें। उनसे सवाल करें। प्रदेश और केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा जाति धर्म की राजनीति करती है। इस सरकार में आटा, डाटा, बिजली, रसोई गैस सब महंगी हो गई है। सपा और बसपा को अवसरवादी बताया। उन्होंने कहा कि जाति धर्म नहीं, मुद्दे के आधार पर वोट करें। उन्होंने कांग्रेस की प्रतिज्ञा को चुनाव में निभाने का वादा किया।

अगले 50 वर्ष में हिंदू हो जाएंगे अल्पसंख्यक : प्रवीण तोगड़िया

राम मंदिर तो बन रहा, लेकिन रामराज्य अभी बाकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया ने कहा अयोध्या में श्रीराम का भव्य मंदिर तो बन रहा है, लेकिन देश में राम राज्य स्थापित नहीं हो रहा है। श्रीराम का मंदिर बनना गौरव की बात है, परंतु सरकार रामराज्य स्थापित करने से पीछे हट गयी है। प्रखर हिंदू वादी नेता प्रवीण भाई तोगड़िया कुशीनगर जिले में खड्डा नगर पंचायत के महाराणा प्रताप चौक पर कार्यकर्ताओं के स्वागत के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे।

तोगड़िया ने कहा कि रामराज्य कैसे हो जब किसानों को फसल का वाजिब दाम नहीं मिल रहा, बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा का इंतजाम नहीं है, लोगों को नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधा की व्यवस्था नहीं है। युवाओं को रोजगार नहीं मिल पा रहा। जब तक इन सभी बिंदुओं पर कार्य नहीं होगा तब तक हम सभी को संघर्ष करना पड़ेगा। तमकुहीराज ब्लॉक सभागार में आयोजित कार्यक्रम में तोगड़िया ने कहा कि 50 सालों से हिंदुओं की आबादी लगातार घट रही है। अगर यही स्थिति रही तो अगले 50 वर्ष बाद देश में हिंदू अल्पसंख्यक बनकर रह जाएगा। हिंदू रक्षा का मतलब गाय की रक्षा, धर्म एवं संस्कृति की रक्षा, गौरव की रक्षा से है। कर्म के बदौलत दुनिया का एक तिहाई धन भारतीयों के पास है। हमारा संगठन हिंदू युवाओं को धार्मिक आयोजनों को बढ़ावा देने, शस्त्र धारण करने, पुलिस एवं सेना में भर्ती होने, व्यायाम करने के लिए प्रेरित कर रहा है। इसके लिए देश में एक करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

बामुलाहिजा

राष्ट्रीय किसान महापंचायत

कार्टून: हसन जैदी

'निजी हाथों में नहीं देने चाहिए सरकारी उपक्रम'

सरकारी उपक्रम को जनहित में बेचना नहीं बल्कि सुधार कर चलाना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के श्रम, सेवायोजन और समन्वय विभाग मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने जहां सरकार की उपलब्धियां गिनाईं तो वहीं अपनी केंद्र की सरकार को उसकी बेचो नीति पर भी घेरा। समाजवादी पार्टी मुखिया अखिलेश यादव के एयरपोर्ट को बेचने वाले बयान पर भी मौर्य ने प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा सरकारी उपक्रम को जनहित में बेचना नहीं चाहिए और उनको सुधार कर चलाना चाहिए। ऐसे उपक्रमों को प्राइवेट हाथों में नहीं दिया जाना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपने एक भाषण में कहा था कि सरकारी धन से बनने वाले एयरपोर्ट को बीजेपी बेचने के लिए बनवा रही है। मालूम हो कि गौतमबुद्ध नगर के जेवर में एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनने जा रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ 25 नवंबर को इस एयरपोर्ट की आधारशिला रख चुके हैं। प्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) में लीक हुए पर्चे को लेकर भी योगी सरकार के मंत्री ने वरुण गांधी के एक ट्वीट का जवाब दिया। मौर्य ने कहा कि हमारी सरकार ने निष्पक्षता से नौकरी देने का काम किया है। इससे पहले भी पर्चे लीक हुए हैं लेकिन इतनी बड़ी कार्रवाई पहली बार हो रही है।

बसपा आज जमीन पर आ गई

मायावती की पार्टी पर निशाना साधते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा, मरे हुए कारे मैं मारता नहीं हूं। बसपा आज जमीन पर आ गई है। अब बहनजी के पास वजूद नहीं है। उनका वजूद उत्तर प्रदेश की राजनीति से खत्म हो गया है। वहीं, चुनाव में राममंदिर को मुद्दा बनाने के सवाल पर बीजेपी सरकार के मंत्री ने कहा कि हम केवल विकास के नाम पर ही चुनाव लड़ेंगे और विकास के मुद्दे पर ही जनता के बीच जाएंगे।

वरूण गांधी पर भी साधा निशाना

मौर्य ने वरुण गांधी को लेकर कहा वे खुद में चिंतन करें। उन्हें आत्ममंथन की जरूरत है। बता दें कि पीलीभीत से बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा, पहले तो सरकारी नौकरी ही नहीं है, फिर भी कुछ मौका आए तो पेपर लीक हो, परीक्षा दे दी तो सालों साल रिजल्ट नहीं, फिर किसी घोटाले में रद्द हो रेलवे ग्रुप डी के सवा करोड़ नौजवान दो साल से परिणामों के इंतजार में हैं। आखिर कब तक सब्र करे भारत का नौजवान?

बसपा के वोट बैंक को समेटने की जुगत में अखिलेश

» पिछड़ों के साथ-साथ अब दलित वोट बैंक पर भी सपा की नजर

» बैठक व रैलियों में सपा प्रमुख उठा रहे हैं पुरजोर तरीके से मुद्दे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने बसपा प्रमुख मायावती के लिए बड़ी परेशानी खड़ी कर दी है क्योंकि पिछड़ों के साथ-साथ अब अखिलेश यादव ने दलित वोट बैंक पर भी डोरे डालने शुरू कर दिए हैं और वे भी बहुत आक्रामक तरीके से। पिछले कुछ महीने के घटनाक्रम तो इसी ओर इशारा कर रहे हैं।

अखिलेश यादव ये लक्ष्य दो तीरीकों से साध रहे हैं। पहला तो ये कि वे अपनी हर रैली में दलित समाज से जुड़े मुद्दे उठाकर अपने आप को इनका रहनुमा दिखा रहे हैं और दूसरा ये कि उन्होंने बसपा से ठुकराए गए नेताओं को तहे दिल से गले लगा लिया है।

समाजवादी ही एक विकल्प

कांशीराम बहुजन समाज पार्टी की सावित्री बाई फुले ने कहा, दलित समाज के मन में मायावती की वो बात घर कर गयी है, जिसमें उन्होंने कहा था कि सपा को हराने के लिए जरूरत पड़ी तो वो बीजेपी का भी साथ देंगी। इसके अलावा संविधान को खत्म करने की जो साजिश बीजेपी और संघ कर रहा है उसके खिलाफ मायावती चुप हैं। ऐसे में अखिलेश यादव ही एक विकल्प बच जाते हैं।

अखिलेश यादव जानते हैं कि पिछड़ों के साथ यदि दलितों के वोट जुड़ जाएं तो विजयश्री मिलनी तय हो जाएगी इसीलिए उन्होंने बहुजनों को साधना शुरू किया था। वे अपनी हर चुनावी रैली में ये दिखाना चाहते हैं कि जिस अभियान को बसपा सुप्रीमो मायावती ने त्याग दिया है उसे उन्होंने अपना लिया है। वे हर रैली में निजीकरण के चलते सरकारी नौकरियों के सिकुड़ने, जातिगत जनगणना कराने जैसे मुद्दे पुरजोर तरीके से उठा रहे हैं। संविधान बचाने की जो बातें बसपा के नेता करते थे अब वे अखिलेश यादव करने लगे हैं। दलितों के साथ होने वाले अपराध पर वे आक्रामक तरीके से बीजेपी सरकार पर हमला बोलते दिख रहे हैं।

बसपा के पुराने दिग्गजों को सपा से जोड़ा

बहुजनों को अपना बनाने के लिए उन्होंने इस समाज के नेताओं को भी अपना बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। बसपा से निकाले गये टॉप ब्रास नेताओं का सबसे बड़ा ठिकाना सपा ही है। इंद्रजीत सरोज तो पहले से ही हैं। हाल ही में 6 विधायकों के साथ लालजी वर्मा और रामअचल राजभर ने भी सपा का ही दामन थामा है। कभी बीजेपी से सांसद रहीं दलित लीडर सावित्री बाई फुले से उन्होंने गठबंधन किया है। आजाद समाज पार्टी (भीम आर्मी) के चंद्रशेखर रावण से उनकी बातचीत चल रही है।

सपा-बसपा का गठबंधन कोई करिश्मा नहीं कर पाया

अब सवाल उठता है कि दलित समुदाय अखिलेश यादव को कितना अपना पाएगा। यूपी के गांव-गांव में पिछड़ों और दलितों की कई जातियों के बीच एका नहीं रहा है। यही वजह रही कि 2019 के लोक सभा चुनाव में सपा-बसपा का गठबंधन कोई करिश्मा नहीं कर पाया। सपा के वोट तो बसपा को गए लेकिन बसपा के वोट सपा को ट्रांसफर नहीं हो पाए, कुछ दलित नेता अब इस संबंध को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं।

अखिलेश के प्रयासों से तिलमिला रही हैं मायावती!

बीजेपी सरकार पर मायावती भले ही बहुत आक्रामक न दिख रही हों लेकिन सपा पर वो ज्यादा अटैकिंग हैं। सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधने के साथ-साथ वो सपा पर निशाना साधना नहीं भूलतीं। आठ नवंबर को मायावती ने तो ये भी कहा कि सपा ने हमेशा से ही दलित महापुरुषों और गुरुओं का तिरस्कार किया है। उन्होंने सपा के दलित प्रेम को नाटकबाजी तक कहा है। प्रयागराज में दलित समाज के चार लोगों की हत्या पर उन्होंने कहा कि लगता है कि बीजेपी सरकार भी सपा सरकार के नक्शेकदम पर चल रही है। अखिलेश यादव के सेंधमारी के इन्हीं प्रयासों से मायावती तिलमिला रही हैं।

अखिलेश के लिए आसान नहीं राह

राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि अखिलेश यादव लाख कोशिशें कर रहे हैं लेकिन दलित समाज को अपने धागे में बांध पाना आसान नहीं होगा। गांव-गांव में दोनों का गठबंधन कभी भी नेचुरल नहीं रहा है। वैसे भी मायावती को हल्के में लेना भूल ही होगी इसीलिए अपना वोट बैंक सहेजने के लिए उन्होंने आरक्षित सीटों पर मजबूती से लड़ने का संदेश बहुजन समाज को दे रही हैं। वे लगातार बता रही हैं कि बाकी सीटों के साथ साथ अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 84 सीटों पर फतह के लिए वे कितनी मेहनत कर रही हैं। शायद वे ये संदेश देना चाह रही हों कि दलित नेताओं को विधान सभा पहुंचाने के लिए वे कितनी जद्दोजहद कर रही हैं। वे ये भी संदेश देना चाहती हैं कि दलित नेता किसी भी पार्टी में हों लेकिन उनका सही सम्मान और स्थान बसपा में ही मिलता है।

मिशन यूपी : अब किसानों को लुभाने में जुटी भाजपा, लगाएगी चौपाल

भाजपा किसान मोर्चा ने संभाली कमान
ट्रैक्टर रैली के बाद अब संवाद की तैयारी

» कृषि कानूनों की वापसी के बाद कार्यकर्ताओं को किया गया सक्रिय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव के मैदान में भाजपा पूरे दम-खम से उतरने की तैयारी कर चुकी है। वह हर वर्ग और जाति के लोगों के बीच पैठ बढ़ा रही है। अब भाजपा नेतृत्व की नजर किसानों पर टिक गयी है। कृषि कानूनों की वापसी के बाद अब वह किसानों के बीच पैठ बढ़ाने के लिए गांवों में चौपाल लगाकर संवाद करने की तैयारी कर रही है। इस दौरान केंद्र और राज्य सरकार की किसानों के हितों में शुरू की गई योजनाओं के बारे में भी बताया जाएगा।

कृषि कानूनों के रद्द होने के बाद भाजपा ने फिर मोर्चा संभाल लिया है। वह किसानों को एक बार फिर अपने पाले में लाने की जुगत लगा रही है। भाजपा नेता किसानों के बीच जाने का निर्णय लिया है। भाजपा के नेताओं का कहना है कि पार्टी हमेशा किसानों के हित में कार्य करती आई है इसलिए हम किसानों के बीच में जाकर उन्हें बताएंगे कि उनके साथ कौन खड़ा है? कौन उन्हें गुमराह कर रहा है? अलीगढ़ के भाजपा जिलाध्यक्ष चौधरी ऋषिपाल सिंह ने कहा कि विपक्ष ने हमेशा किसानों को गुमराह करने का काम किया है। उन्हें तमाम चीजों पर लोभ-लालच देकर अपने पक्ष में करने की कोशिश की है। कांग्रेस कभी नहीं चाहती है कि किसान आत्मनिर्भर बने। उसे उसकी उपज का उचित मूल्य मिले क्योंकि कांग्रेस को अच्छी तरह से पता है कि किसानों को उपज का उचित मूल्य मिलेगा, किसान आत्मनिर्भर रहेगा तो वह राजनीति कैसे करेंगे? हम किसानों के बीच में जाएंगे। उन्हें बताएंगे कि कानून उनके हित में था। हालांकि, पीएम ने इसे वापस ले लिया है तो अब नई तैयारी की जरूरत है।

ट्रैक्टर रैली निकाल कर जोड़ने की कोशिश

यूपी भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष कामेश्वर सिंह की अगुवाई में प्रदेश भर में ट्रैक्टर रैली निकाली गयी। इसका आगाज पूर्वांचल के मऊ से हुआ था। 30 नवंबर तक प्रदेश व्यापी ट्रैक्टर रैली का आयोजन किया गया। किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रामबाबू द्विवेदी ने कहा कि रैली के माध्यम से हम मोदी और योगी सरकार द्वारा किसानों के हित में चलाई गई जन कल्याणकारी योजनाओं को विस्तार पूर्वक बताने का काम किया। रैली में उमड़ी भीड़ से मोर्चा के पदाधिकारी गदगद दिखे।

भाजपा का मूल उद्देश्य देश का समग्र विकास करना है। यही नहीं कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा किसानों के लिए किए गए कार्यों की भी जानकारी देंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कोरोना का नया वेरिएंट और सतर्कता

आखिरकार कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन ने भारत में दस्तक दे दी है। कर्नाटक में दो लोगों में इसकी पुष्टि हुई है। संक्रमण के लिहाज से यह भारत में दूसरी लहर के लिए जिम्मेदार डेल्टा वेरिएंट से पांच गुना अधिक खतरनाक है। इसने सरकार और जनता के सामने एक बार फिर चुनौती पेश कर दी है। सवाल यह है कि ओमिक्रॉन से निपटने के लिए सरकार ने क्या प्लान बनाया है?

आखिरकार कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन ने भारत में दस्तक दे दी है। कर्नाटक में दो लोगों में इसकी पुष्टि हुई है। संक्रमण के लिहाज से यह भारत में दूसरी लहर के लिए जिम्मेदार डेल्टा वेरिएंट से पांच गुना अधिक खतरनाक है। इसने सरकार और जनता के सामने एक बार फिर चुनौती पेश कर दी है। सवाल यह है कि ओमिक्रॉन से निपटने के लिए सरकार ने क्या प्लान बनाया है? क्या बिना पूर्ण टीकाकरण के इसके कहर से बचा जा सकता है? क्या टीकाकरण के प्रति लोगों द्वारा बरती जा रही लापरवाही घातक साबित हो सकती है? क्या बूस्टर डोज की जरूर पड़ेगी? क्या एक बार फिर पाबंदियों का दौर शुरू हो जाएगा? क्या जरा सी भी लापरवाही देश की अर्थव्यवस्था को रसातल में पहुंचा देगी? क्या अब कोरोना के साथ ही जीवन जीने की आदत डालनी पड़ेगी?

कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन का पहला केस दक्षिण अफ्रीका में मिला था। यही से यह दूसरे देशों में फैला। यह वेरिएंट अब तक भारत समेत 29 देशों में फैल चुका है। भारत में इसके दो केस रिपोर्ट किए गए हैं। इस वेरिएंट के बारे में विशेषज्ञ पूरी जानकारी जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने साफ कर दिया है कि यह वेरिएंट बेहद तेजी से संक्रमण फैलाता है। यह डेल्टा वेरिएंट से खतरनाक है। जाहिर है ओमिक्रॉन की भारत में उपस्थिति बेहद चिंतित करने वाली है। यह तब और खतरनाक स्थिति में पहुंच सकता है जब भारत की आधी आबादी का टीकाकरण भी पूर्ण नहीं हुआ है। यही नहीं लोग सार्वजनिक स्थलों में भी कोरोना प्रोटोकॉल का पालन नहीं कर रहे हैं। कोरोना के केस में कमी आने के बाद लोगों ने टीकाकरण के प्रति लापरवाही बरतनी शुरू कर दी है। यही वजह है कि सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद टीकाकरण रफ्तार नहीं पकड़ पा रहा है। यही नहीं बच्चों का टीकाकरण अभी तक शुरू नहीं हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि कोरोना संक्रमण को रोकने का एकमात्र तरीका पूर्ण टीकाकरण है। यही नहीं नए खतरे को देखते हुए बूस्टर डोज लगाने की भी सिफारिश की जा रही है। दुनिया के कई देशों में इसकी शुरूआत भी हो चुकी है। जाहिर है स्थितियां बेहद चिंताजनक हैं क्योंकि यह कभी भी खतरनाक हो सकता है। इसमें दो राय नहीं कि बिना जनता के सहयोग के सरकार किसी भी महामारी से नहीं निपट सकती है। ऐसे में जरूरी है कि जनता न केवल टीकाकरण में लापरवाही बरतना छोड़े बल्कि एक बार फिर कोरोना प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करे। सरकार को भी इससे निपटने के लिए जरूरी चिकित्सा व्यवस्थाओं को तत्काल दुरुस्त करने की जरूरत है ताकि किसी भी स्थिति से निपटा जा सके।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

किसानों की आय बढ़ाने को पहल जरूरी

जयंतीलाल भंडारी

शीतकालीन सत्र के पहले दिन किसानों से किए गए वादे के मुताबिक सरकार ने लोक सभा और राज्य सभा में तीन कृषि कानूनों को रद्द करने हेतु कृषि कानूनों का निरस्तीकरण विधेयक, 2021 पारित कर दिया। इस विधेयक को पेश करने के पहले कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि 19 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कृषि कानूनों की वापसी का ऐलान किया था। उसी के अनुरूप शीतकालीन सत्र के पहले दिन तीनों कृषि कानून वापस लिए जा रहे हैं। जब सरकार के साथ विपक्ष भी कानूनों की वापसी के लिए तैयार है तो फिर इस पर चर्चा का कोई औचित्य नहीं है। कानूनों की वापसी के बाद ऐसे रणनीतिक प्रयासों की जरूरत है, जिससे किसानों की आय बढ़ सके। खासतौर से छोटे किसान अधिक लाभान्वित हो सकें।

यह बात महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कृषि को प्रभावी बनाने, विकास की नयी रणनीति और जीरो बजट खेती की तरफ प्रभावी कदम बढ़ाने के लिए एक कमेटी के गठन का फैसला किया है। उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, देश की बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर क्रॉप पैटर्न के वैज्ञानिक तरीके, एमएसपी को और अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर भविष्य को ध्यान में रखते हुए नयी कमेटी द्वारा प्रभावी निर्णय लिए जाने की बात कही। नि:संदेह कृषि संबंधी मसलों के समाधान के लिए समिति बनाने के सरकार के फैसले से किसानों की मुश्किलों को दूर करने में मदद मिलेगी। इससे सरकार को किसानों की आय के स्तर को बढ़ाने के लिए पर्याप्त कृषि नीति बनाने में मदद मिलेगी। एमएसपी पर गारंटी कानून बना दिया जाए तब भी इसे पूरा करना संभव नहीं है। हरित क्रांति के दौरान किसानों को गेहूं उगाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु एमएसपी की व्यवस्था की गई थी। बाद में इसके तहत चावल व अन्य फसलों को लाया गया। कानून बनने के बाद भी सरकार पूरा अनाज खरीद पाने में सक्षम नहीं होगी। सब्सिडी का ढांचा ढह जाएगा और निजी व्यापारी भी उसे खरीदने के लिए आगे नहीं आएंगे। यदि कोई ऐसा नियम बन भी जाए तो निजी व्यापारी घाटा उठाने के बजाय अनाज के आयात को प्राथमिकता दे सकते हैं। जहां कृषि क्षेत्र को उभरते बाजार और मांग की परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठाने की आवश्यकता है, वहीं सरकार को सब्सिडी के लिए विश्व व्यापार संगठन की सीमाओं को भी ध्यान में रखने की

जरूरत है। ऐसे में इस समय एमएसपी पर कानून बनाने से अलग हटकर इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है कि बिना समर्थन मूल्य के भी किसानों की आमदनी में वृद्धि की जा सकती है। इसके लिए ऊंचे दाम वाली विविध फसलों के उत्पादन को विशेष प्रोत्साहन दिया जा सकता है। ये प्रोत्साहन विभिन्न प्रदेशों में अलग-अलग फसलों के लिए अलग-अलग हो सकते हैं। किसानों की आय बढ़ाने का एक अच्छा तरीका किसानों के लिए लागू की गई नकदी हस्तांतरण योजना का विस्तार किया जाना भी हो सकता है। देश के 70 से ज्यादा रेल रूटों पर किसान रेल चलने से छोटे किसानों के कृषि उत्पाद कम ट्रांसपोर्टेशन के खर्चे पर देश के दूरदराज के इलाकों तक पहुंच रहे हैं। अब और नए रेल रूटों पर किसान रेल से छोटे किसानों को लाभान्वित करने का रणनीति पर बढ़ना होगा। कृषि व ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास के लिए स्वामित्व योजना को एक नई आर्थिक शक्ति बनाया जा सकता है। सरकार देश के 6 लाख गांवों में ड्रोन के माध्यम से ग्रामीणों की जमीन का सर्वेक्षण कराकर स्वामित्व योजना को तेजी से बढ़ाने के लिए आगे बढ़ी है। स्वामित्व योजना के लागू होने से किसानों की गैर कृषि आय बढ़ाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की चमकीली स्थिति बनाई जा सकेगी। किसानों को लाभान्वित करने एक अच्छा तरीका यह भी हो सकता है कि राज्य सरकारों को नेतृत्व करने दिया जाए। इससे पहले भी केंद्र राज्यों को अलग-अलग स्तर की सफलता के साथ अपने कृषि विपणन कानूनों में सुधार के लिए प्रोत्साहित करने के लिए बार-बार प्रयास कर चुका है। सरकार किसानों को कम मूल्य मिलने की भरपाई के लिए उपयुक्त योजना के साथ सामने आ सकती है। इसके साथ सरकार सहकारिता या किसान उत्पादकों को मूल्य श्रृंखला में भागीदारी के लिए भी प्रेरित कर सकती है। गेहूं व चावल के अलावा फसलों का विविधीकरण बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। फसल पैटर्न बदलने के तरीके खोजे जाने होंगे। पिछले पांच वर्षों में 1600 से ज्यादा फसल किस्में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद व कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा विकसित की गई हैं। उन्हें छोटे किसानों को उपयोग में दिए जाने हेतु कार्ययोजना बनाई जानी होगी।

स्वस्थ परंपराओं का निर्वहन करें पक्ष-विपक्ष

विश्वनाथ सचदेव

जनतंत्र में यह अवसर संसद के कामकाज में सहभागिता से परिभाषित होता है। सहभागिता का अर्थ है विचार-विमर्श में हिस्सेदारी। मुद्दों पर बहस ही वह माध्यम है, जिससे सदन में सदस्यों की सहभागिता सुनिश्चित होती है लेकिन, जिस तरह से संसद में विवादास्पद कृषि-कानूनों की वापसी का विधेयक पारित हुआ, वह इस सहभागिता को अंगूठा दिखाने वाला काम ही कहा जा सकता है।

पिछले दिनों हमने संविधान-दिवस मनाया था। 26 नवम्बर 1949 को देश ने अपना संविधान पूरा करके उस पर हस्ताक्षर किये थे। हमारे संविधान-निर्माताओं के ये हस्ताक्षर देश के हर नागरिक का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये हस्ताक्षर कुल मिलाकर इस बात की सहमति और स्वीकृति हैं कि देश का संविधान सर्वोपरि है। हमारे प्रधानमंत्री कई बार इसे 'हमारा सबसे बड़ा' धर्म ग्रंथ कह चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी जब सांसद बनकर पहली बार संसद भवन पहुंचे थे तो उन्होंने संसद भवन की सीढ़ियों पर शीश झुकाकर जनतंत्र के सर्वोच्च मंदिर को प्रणाम किया था। जनतंत्र का यह मंदिर और धर्म ग्रंथ, दोनों, हमारे देश की गरिमा के प्रतीक हैं। इनका सम्मान उन मूल्यों और आदर्शों का सम्मान है जो जनतांत्रिक व्यवस्था की महत्ता को रेखांकित करते हैं।

उस दिन जब संसद में संविधान-दिवस मनाया गया तो सांसदों को प्रधानमंत्री के अलावा राष्ट्रपति ने भी संबोधित किया था। एक चीज जो खलने वाली थी, वह कार्यक्रम का विपक्ष द्वारा बहिष्कार था। यह कार्यक्रम सरकार का नहीं था, पूरी संसद का था। संविधान में अपनी आस्था और निष्ठा प्रकट करने के इस अवसर को किसी भी पक्ष द्वारा राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति का माध्यम बनाना उचित नहीं कहा जा सकता। सरकार और विपक्ष दोनों का कर्तव्य बनता था कि वे इस अवसर की गरिमा और पवित्रता की रक्षा के प्रति सजग दिखाई देते। पर ऐसा हुआ नहीं। दोनों पक्षों की बराबर की भागीदारी होनी चाहिए थी इस कार्यक्रम में। सभी पक्षों को अवसर मिलना चाहिए था संविधान के प्रति अपनी निष्ठा को स्वर देने का। यह सहभागिता ही जनतांत्रिक व्यवस्था को महत्वपूर्ण बनाती है। गरिमा प्रदान करती है। अच्छी बात है कि इस सहभागिता को संसद का सत्र प्रारंभ होने से पहले प्रधानमंत्री ने फिर से रेखांकित किया। पर इसे सुनिश्चित करने का काम भी मुख्यत: सत्ता पक्ष को ही करना होता है। पर, दुर्भाग्य से, संसद के पिछले कई सत्रों में सहभागिता की भावना का अभाव दिखाई दिया है। दोनों पक्ष इसके लिए एक-दूसरे को दोषी ठहरा सकते हैं, ठहराते भी हैं। लेकिन इस बात को नहीं भुलाया जाना चाहिए कि संसद की कार्रवाई सुचारु रूप से चले, इसका दायित्व मुख्यत: सत्तारूढ़ पक्ष पर ही होता है।

जनतंत्र में यह अवसर संसद के कामकाज में सहभागिता से परिभाषित होता है। सहभागिता का अर्थ है विचार-विमर्श में हिस्सेदारी। मुद्दों पर बहस ही वह माध्यम है, जिससे सदन में सदस्यों की सहभागिता सुनिश्चित होती है। लेकिन, जिस तरह से संसद में विवादास्पद कृषि-कानूनों की वापसी का विधेयक पारित हुआ, वह इस सहभागिता को अंगूठा दिखाने वाला काम ही कहा जा सकता है। लोक सभा में सिर्फ तीन मिनट और राज्य सभा में नौ मिनट में इन कानूनों को वापस ले लिया गया। कानूनों की वापसी करने का निर्णय लेने में सरकार को पूरा एक साल लग गया और मिनटों में कानूनों को निरस्त कर दिया गया। कोई बहस नहीं, कोई विचार-विमर्श नहीं। तीनों कानूनों को वापस लेने की घोषणा भी प्रधानमंत्री ने सदन के बजाय मीडिया में राष्ट्र के नाम संदेश में करना बेहतर समझा। संसद को इस बारे में सरकार से सवाल-जवाब का अवसर मिलना ही चाहिए था। कानून वापस लेने के कुछ घंटे पहले ही प्रधानमंत्री ने यह कहा था कि सरकार खुले दिमाग से हर मुद्दे पर सभी सवालों के जवाब देने के लिए तैयार है। वे तो यह भी कह चुके हैं कि सीमित समय के लिए ही सही कुछ बहस तो राजनीतिक छींटाकशी के बगैर भी होनी चाहिए। पर सिर्फ बातों से बात नहीं बनती। संसद की गरिमा और महत्व का तकाजा है कि सांसदों को गंभीर बहस का अवसर मिले। मुद्दों पर विचार-विमर्श हो। संसद के पिछले सत्र में पंद्रह कानून दस मिनट से भी कम समय में पारित हुए थे। स्पष्ट है, यह काम विचार-विमर्श के बिना ही हुआ होगा। कृषि-कानूनों पर जरूर दोनों सदनों में लगभग दो-दो घंटे तक बहस हुई थी पर शायद पर्याप्त नहीं था इतना समय। समुचित समय मिलता तो शायद कोई स्वीकार्य कानून बन सकते। अब भी जब कृषि कानूनों को निरस्त करने वाला विधेयक पारित हुआ तो विपक्ष की बहस की मांग को ठुकरा दिया गया।

बहरहाल, संसद के शीतकालीन सत्र का पहला ही कानून बिना किसी बहस के पारित हो, यह कोई शुभ संकेत नहीं है। उम्मीद की जानी चाहिए कि दोनों पक्ष, सरकार और विपक्ष, इस संदर्भ में अपने-अपने दामन में झाकेंगे। पर इससे भी महत्वपूर्ण बात उस मतदाता के सम्मान की है, जिसने दोनों को चुना है। कृषि कानूनों को वापस लेने के प्रधानमंत्री के निर्णय को उनके समर्थक 'राष्ट्र-हित' में लिया गया 'महान' निर्णय बता रहे हैं, लेकिन यह बात सदन में होती तो बेहतर होता। तब यह भी पूछा जा सकता कि कृषि-कानूनों के संदर्भ में वह क्या था जो राष्ट्र-हित में नहीं था? इस तरह के अवसर बहस से ही मिल सकते हैं। सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष, दोनों को ऐसे अवसरों की संभावनाएं बढ़ाने के बारे में सोचना होगा। यह याद रखना जरूरी है कि बहस संसद की प्राणवायु है।

मखमली त्वचा के लिए लगायें

शतधौत घृत

क सावट भरी खूबसूरत और स्वस्थ त्वचा हम सभी चाहते हैं। क्योंकि जब तक त्वचा में ये सभी खूबियां बनी रहती हैं, हम सभी जवां और हसीन दिखते हैं। हालांकि सर्दी के मौसम में अपनी स्किन को हेल्दी रखना किसी चुनौती से कम नहीं होता है। क्योंकि सर्द हवा भी आपकी स्किन की नमी चुरा रही होती है और सर्दी से बचने के लिए पहने जाने वाले गर्म कपड़े भी त्वचा में रूखापन बढ़ाते हैं। हालांकि आयुर्वेदिक विधि से घर में तैयार की जाने वाली क्रीम आपकी स्किन को इस तरह मॉइश्चराइज करती है कि ना तो आसानी से हवा ही आपकी स्किन में रूखापन बढ़ा पाती है और ना ही सर्दी के कपड़े आपकी त्वचा से नमी चुरा पाते हैं। आपको बता दें कि सदियों पहले ऋषि-मुनी शतधौत घृत विधि से क्रीम बनाकर कई तरह की त्वचा संबंधी बीमारियों का उपचार भी किया करते थे और सौंदर्य वृद्धि के लिए उस समय के लोग इस क्रीम का उपयोग करते थे। आप इसे आज भी घर में तैयार कर सकते हैं। आपको जरूरत होगी देसी गाय के शुद्ध घी की। आप इसे किसी भी गौशाला से आसानी से खरीद सकते हैं। आमतौर पर गौशाला में मिलने वाला घी मार्केट में मिलने वाले घी की तुलना में 100 प्रतिशत तक प्योर होता है। आप चाहें तो गौशाला से माखन खरीदकर घर में घी बना सकते हैं।

घी का त्वचा पर उपयोग

शतधौत घृत के अर्थ को समझाते हुए डॉक्टर लिखती हैं कि शता यानी 100, धूता यानी धोना और घृता यानी घी। यह एक ऐसी आयुर्वेदिक प्रक्रिया है, जिसके तहत उपचार के समय घी में औषधियां मिलाकर कई तरह की त्वचा संबंधी बीमारियों (स्किन डिजीज) को दूर किया जाता है। हालांकि स्किन क्रीम बनाने के लिए शतधौत घृत के दौरान आप एकदम स्वच्छ जल से सौ बार घी को धोने की प्रक्रिया को अपनाते हैं।

शतधौत घृत उपयोग करने की विधि

आप इसे त्वचा पर लगाकर छोड़ भी सकती हैं और चाहें तो त्वचा पर लगाने के 25 से 30 मिनट बाद हल्के गुनगुने पानी से धो भी सकती हैं। यह आपकी अपनी इच्छा पर निर्भर करता है। हालांकि सर्दी के मौसम में आप इसे स्किन पर लगाकर छोड़ देंगी तो त्वचा पर इसका अलग ही असर देखने को मिलेगा। डॉक्टर रेखा कहती हैं आप इसे स्किन पर लगाकर छोड़ दें या धो लें। हर रोज ऐसा करने पर आपकी त्वचा सिल्की और स्मूद हो जाएगी।

कैसे तैयार करें?

- गाय का शुद्ध देसी घी- 50 ग्राम
- समतल तली (फ्लैट सरफेस) का एक
- स्टील का बर्तन
- 100 मिली लीटर ठंडा पानी
- 1 बड़ी चम्मच

घृत बनाने के स्टेप्स

- घी को बर्तन में निकालने के बाद इसमें पानी डालें और चम्मच की मदद से घी और पानी को मिक्स करती रहें।
- आपको घी में पानी को मिक्स करने की प्रक्रिया को तब तक जारी रखना है, जब तक कि आपको पानी में हल्की-सी गर्माहट ना महसूस होने लगे। फिर इसे कुछ देर के लिए रख दें और दोबारा इसी तरह मिक्स करना शुरू करें।
- आयुर्वेद ऐसा 100 बार करने की साल देता है। हालांकि हम समझ सकते हैं कि यह आपके लिए आसान नहीं होगा इसलिए आप कम से कम 30 बार तो ऐसा जरूर करें।

कितने दिन उपयोग कर सकती हैं?

- घी और पानी को छोटे-छोटे ब्रेक के बाद 30 बार मिक्स करने के बाद आपको एक सफेद बटर जैसा पेस्ट मिलेगा। यही शतधौत घृत क्रीम है।
- आप इसे दो सप्ताह तक अपनी त्वचा पर उपयोग कर सकती हैं। इसके बाद दोबारा इसी प्रक्रिया से इसे बनाएं और त्वचा पर उपयोग करें।
- हम आपके लिए एक बात साफ कर देना चाहते हैं आयुर्वेद में जिस विधि से घी को धोकर शतधौत घृत बनाने की विधि बताई गई है, उससे तैयार क्रीम को आप लंबे समय तक स्टोर कर सकती हैं। लेकिन डॉक्टर रेखा ने आपकी सुविधा के लिए सुगम और आसान प्रक्रिया बताई है। इसलिए इस क्रीम को एक बार बनाने के बाद दो सप्ताह से अधिक उपयोग ना करें। फिर दोबारा क्रीम बनाकर लगाएं।

हंसना मना है

चिंटू: अगर मुझे दूसरा दिमाग लगवाने की जरूरत पड़ी तो मैं तुम्हारा दिमाग लगवाना चाहूंगा। मिंटू: मतलब तुम मानते हो कि मेरे पास जीनियस का दिमाग है? चिंटू: नहीं, मुझे ऐसा दिमाग चाहिए जो पहले कभी यूज न हुआ हो।

एक बार एक बादशाह ने खुशी में कैदियों को रिहा कर दिया उन कैदियों में बादशाह ने एक कैदी को देखा जो बहुत ही बुजुर्ग था। बादशाह: तुम कब से कैद में हो? बुजुर्ग: आपके अब्बा के दौर से। यह सुनकर बादशाह की आंखों में आंसू आ गए और बोला.. इसको दोबारा कैद करो ये अब्बा की निशानी है।

सोनू अपने दोस्त मिंटू को ज्ञान बांट रहा था अगर परीक्षा में पेपर बहुत कठिन हो तो आंखें बंद करो, गहरी सांस लो और जोर से कहो ये सब्जेक्ट बहुत मजेदार है इसलिए अगले साल फिर पढ़ेंगे।

राम: भाई ये बता I am going का मतलब क्या होता है? श्याम: मैं जा रहा हूं। चिंटू: अरे! मैं 20 लोगों से पूछ चूका हूं, सब चले जाने की बात करते हैं लेकिन जवाब नहीं बताते।

सचिन: भाई, बीवी के मेकअप का खर्चा बर्दाश्त नहीं होता। रवि: हां, तो बंद कर दे। सचिन: लेकिन फिर मेकअप के बिना बीवी बर्दाश्त नहीं होती।

कहानी — रंग-बिरंगी मिठाइयां

बसंत ऋतु छाई हुई थी। राजा कृष्णदेव राय बहुत ही खुश थे। वह तेनालीराम के साथ बाग में टहल रहे थे। वह चाह रहे थे कि एक ऐसा उत्सव मनाया जाए, जिसमें उनके राज्य के सारे लोग शामिल हों। पूरा राज्य उत्सव के आनंद में डूब जाए। इस विषय में वह तेनालीराम से भी राय लेना चाहते थे। तेनालीराम ने राजा की इस सोच की प्रशंसा की और इसके बाद राजा ने विजयनगर में राष्ट्रीय उत्सव मनाने का आदेश दे दिया। शीघ्र ही नगर को स्वच्छ करवा दिया गया, सड़कों व इमारतों में रोशनी की व्यवस्था कराई गई। पूरे नगर को फूलों से सजाया गया। सारे नगर में उत्सव का वातावरण था। इसके बाद राजा ने घोषणा की कि राष्ट्रीय उत्सव मनाने के लिए हलवाई की दुकानों पर रंग-बिरंगी मिठाइयां बेची जाएं। घोषणा के बाद नगर के सारे हलवाई रंगीन मिठाइयां बनाने में व्यस्त हो गए। इस घोषणा के बाद कई दिनों तक तेनालीराम दरबार में नजर नहीं आए। किसी को भी उनके बारे में कुछ नहीं पता था। राजा कृष्णदेवराय ने तेनालीराम को ढूंढने के लिए सिपाहियों को भेजा, लेकिन वे भी तेनालीराम को नहीं ढूंढ पाए। उन्होंने राजा को इस बारे में बताया। यह सुनकर राजा और भी अधिक चिंतित हो गए। उन्होंने दोबारा सिपाहियों को तेनालीराम की खोज में जुट जाने का आदेश दिया। कुछ दिनों बाद सैनिकों ने तेनालीराम को ढूंढ निकाला। वापस आकर उन्होंने राजा को बताया, 'महाराज, तेनालीराम ने तो कपड़ों की रंगाई की दुकान खोल ली है। वह सारा दिन अपने इसी काम में व्यस्त रहते हैं। जब हमने उन्हें अपने साथ आने को कहा तो उन्होंने आने से मना कर दिया।' यह सुनकर राजा को गुस्सा आ गया। वह सैनिकों से बोले,'मैं तुम्हें आदेश देता हूं कि तेनालीराम को जल्दी से जल्दी पक?कर यहां ले आओ। अगर वह तुम्हारे साथ अपनी मर्जी से न आए तो उसे बलपूर्वक लेकर आओ।' राजा के आदेश का पालन करते हुए सैनिक तेनालीराम को बलपूर्वक पक?कर दरबार में ले आए। राजा ने पूछा, 'तेनाली, तुम्हें लाने के लिए जब मैंने सैनिकों को भेजा तो तुमने शाही आदेश का पालन क्यों नहीं किया? और एक बात और बताओ। हमारे दरबार में तुम्हारा अच्छा स्थान है, जिससे तुम अपनी सभी आवश्यकताएं पूरी कर सकते हो। फिर भला तुमने यह रंगरेज की दुकान क्यों खोली?' तेनालीराम बोले,'महाराज, दरअसल मैं राष्ट्रीय उत्सव के लिए अपने कप?ों को रंगना चाहता था। नगर में बहुत सारे लोग उत्सव में पहनने के लिए अपने कपड़े रंगवाना चाहते हैं। इस काम में अच्छी कमाई है। इससे पहले कि सारे रंगों का इस्तेमाल दूसरे लोग कर लें, मैं रंगाई का काम पूरा कर लेना चाहता था। सभी रंगों के इस्तेमाल से तुम्हारा क्या मतलब है? क्या नगर के सारे लोग अपने कपड़ों को रंग रहे हैं?' राजा ने पूछा। 'नहीं महाराज, वास्तव में रंगीन मिठाइयां बनाने के आपके आदेश के बाद से नगर के ज्यादातर हलवाई मिठाइयों को रंगने के लिए रंग खरीदने में व्यस्त हो गए हैं। अगर वे सारे रंगों को मिठाइयां रंगने के लिए खरीद लेंगे तो मेरे कपड़े कैसे रंगे जाएंगे?' इतना सुनते ही राजा को अपनी भूल का अहसास हो गया। वह बोले,'तो तुम यह कहना चाहते हो कि मेरा आदेश अनुचित है। मेरे आदेश का फायदा उठाकर मिठाइयां बनाने वाले मिठाइयों को रंगने के लिए घटिया व हानिकारक रंगों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि उन्हें केवल खाने योग्य रंगों का ही इस्तेमाल करना चाहिए', इतना कहकर महाराज ने तेनालीराम की तरफ देखा। तेनालीराम के चेहरे पर वही चिर-परिचित मुस्कराहट थी। राजा कृष्णदेव राय ने गंभीर होते हुए आदेश दिया कि जो मिठाई बनाने वाले हानिकारक रासायनिक रंगों का प्रयोग कर रहे हैं, उन्हें कठोर दंड दिया जाएगा। इस तरह तेनालीराम ने अपनी बुद्धि के इस्तेमाल से विजयनगर के लोगों को बीमार होने से बचा लिया।

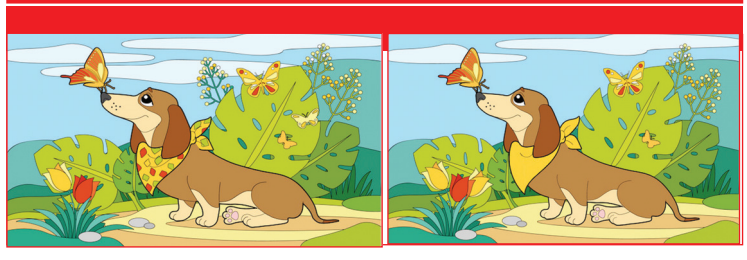

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज का दिन आपके लिए गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि के लिए रहेगा, जिससे परिवार के सदस्य भी प्रसन्न होंगे। किसी व्यक्ति से धन का लेनदेन करने की सोच रहे हैं, तो उसमें सावधानी बरतें।

वृषभ आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहेगा। यदि आज आप कोई निवेश करने की सोच रहे हैं, तो उसे कुछ समय के लिए रुक जाएं, नहीं तो उसमें आपको जोखिम उठाना पड़ सकता है।

मिथुन आज का दिन आपके मन को संतोष देने वाला रहेगा। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को आज अपने साथी से कोई उपहार व सम्मान प्राप्त हो सकता है, जिससे उनके मान-सम्मान में भी वृद्धि होगी।

कर्क आज का दिन नौकरीपेशा जातकों की पद व प्रतिष्ठा में वृद्धि का दिन रहेगा। आज आपको अपने अधिकारियों द्वारा कोई अच्छी खबर सुनने को मिलेगी, जिससे उनका मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह आज का दिन आप सुबह से ही अपने आपको ऊर्जावान महसूस करेंगे, जिसके कारण आप अपने सभी कार्यों को करने के लिए तत्पर रहेंगे और उन्हें काफी हद तक पूरा करने में सफल रहेंगे।

कन्या आज आपके परिवार में किसी शुभ व मांगलिक कार्यक्रम पर चर्चा हो सकती है। आज आपको कुछ अनावश्यक व्यय का भी सामना करना पड़ सकता है।

तुला आज का दिन आपके लिए मिश्रित परिणाम लेकर आएगा। राजनीति की दिशा में जो लोग प्रयासरत हैं, उनके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना होगी व उनके जन समर्थन में भी इजाफा होगा।

वृश्चिक रोजगार के क्षेत्र में आपको अपनी योग्यता बढ़ाने से सफलता अवश्य मिलेगी। सरकारी नौकरी से जुड़े जातकों को आज अपने किसी अधिकारी से डांट खानी पड़ सकती है,

धनु आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपको अपने परिवार के सदस्यों के लिए कोई निर्णय लेने से पहले अपने परिवार के वरिष्ठ सदस्यों से सलाह मशवरा अवश्य करना होगा।

मकर आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। विद्यार्थी आज कुछ भविष्य की रणनीति बनाएंगे, जिससे वह अपनी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

कुम्भ आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से उत्तम रहने वाला है। यदि आपकी बहन के विवाह में कुछ बाधाएं आ रही थी, तो आज वह किसी परिजन की मदद से समाप्त होती दिख रही हैं, दिन प्रतिकूल रह सकता है।

मीन आज का दिन रोजगार की दिशा में प्रयास कर रहे लोगों के लिए खुशखबरी लेकर आएगा। आज उनको मन मुताबिक परिणाम सुनने को मिल सकता है, जिसके कारण वह प्रसन्न रहेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

अर्जुन कपूर ने बदला लुक क्या है नए गेटअप की वजह

अर्जुन कपूर के फैंस उन्हें हमेशा ही पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित रहते हैं। इन दिनों एक्टर अपनी अगली फिल्म कुत्ते को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। कुछ समय पहले ही उनकी इस फिल्म का ऐलान हुआ है। अर्जुन भी अपनी इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। अब उन्होंने खासतौर पर इसके लिए अपना लुक भी बदला है । इस फिल्म में अर्जुन को नए लुक में देखा जाने वाला है। फिल्म में अपने लुक के लिए अर्जुन ने अपने बालों को काफी छोटा करवाया है और मूंछे रखी हैं। बता दें कि विशाल भारद्वाज के बेटे आसमान के निर्देशन में बनने वाली यह पहली फिल्म है। फिल्म की कहानी एक डार्क कॉमेडी है। इसे लेकर अर्जुन ने कहा कि उन्हें सभी अवरोधों को छोड़ना पड़ा और वास्तव में चरित्र को निभाने में गहराई तक जाना पड़ा। अर्जुन का कहना है कि वह अपने निर्देशकों की स्पष्टता से प्यार करते हैं। वह चाहते थे कि वह अलग दिखें। आसमान और विशाल भारद्वाज द्वारा लिखित कुत्ते में नसीरुद्दीन शाह, कोंकणा सेन, तब्बू और राधिका मदान भी अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं दूसरी ओर अर्जुन कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो कुत्ते के अलावा वह अजय बहल के साथ लेडी किलर और जॉन अब्राहम की सह-अभिनीत फिल्म एक विलेन रिटर्न्स में भी नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ दिशा पाटनी भी दिखाई देंगी।

फिर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं कृति सेनन

बॉलीवुड | गपशप

कृति सेनन ने अब तक के अपने करियर में हर किरदार को बखूबी पर्दे पर निभाया है। हाल ही में उन्हें फिल्म हम दो हमारे दो में देखा गया था, जिसे दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई। अब एक्ट्रेस अपने अगले प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में आ गई हैं। कृति को जल्द ही फिल्म शहजादा में देखा जाने वाला है।

कृति सेनन अब शहजादा के दूसरे शेड्यूल के लिए दिल्ली में फिल्म की टीम में शामिल हो गई हैं। फिल्म का निर्देशन रोहित धवन कर रहे हैं, जिन्होंने कुछ दिन पहले कार्तिक आर्यन और परेश रावल के साथ दिल्ली के शेड्यूल को शुरू किया था। लंदन में अपना काम खत्म करने के बाद, कृति सेनन बुधवार सुबह फिल्म वरू में शामिल हुईं। अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया के माध्यम से इस संबंध में एक घोषणा की। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में क्लैपबोर्ड का एक बूमरैंग साझा किया और लिखा, घर में शहजादी। निर्माता भूषण कुमार ने कहा, हमें खुशी है कि हमारे दिल्ली के सेट पर कृति सेनन हैं। वह फिल्म में बिल्कुल नए अंदाज में नजर आने वाली हैं। मुझे यकीन है कि दर्शक स्क्रीन पर उनके प्रदर्शन का आनंद लेंगे। सह-निर्माता अमन गिल ने कहा। कृति सेनन सबसे सहयोगी अभिनेत्रियों में से एक हैं। मैं उनके साथ दिल्ली के शेड्यूल पर काम करने के लिए उत्सुक हूं। अब तक, हमें यहां शूटिंग में बहुत मजा आया है और मुझे यकीन है कि अभिनेत्री के साथ अब और मजा आएगा। इससे पहले, शहजादा ने अपने 20 दिनों के पहले शेड्यूल को फिल्म सिटी, मुंबई में स्थापित एक महलनुमा हवेली में पूरा किया था। टीम अब पुरानी दिल्ली में कुछ महत्वपूर्ण दृश्यों की शूटिंग करेगी, जिसकी शूटिंग जामा मस्जिद के आस-पास पहले से ही चल रही है। बता दें कि शहजादा में कृति सेनन, कार्तिक आर्यन और परेश रावल के अलावा मनीषा कोइराला, रोनित रॉय और सचिन खेडेकर भी अहम भूमिका में हैं। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अल्लू अरविंद, एस राधा कृष्ण और अमन गिल द्वारा निर्मित फिल्म में प्रीतम का संगीत होगा और यह नवंबर, 2022 में रिलीज होगी।

दीया मिर्जा बेशक इन दिनों फिल्मों से दूर हैं, लेकिन इसके बावजूद किसी न किसी कारण वह चर्चा में बनी रहती हैं। अब एक बार फिर से दीया सुर्खियों में आ गई हैं। दरअसल, उन्होंने अपने इस जन्मदिन को अग्रिम पंक्ति के उन वन योद्धाओं को समर्पित करने का फैसला किया है, जिनकी कोविड महामारी के कारण मौत हो गई थी। दीया ने महामारी के दौरान जान गंवाने वाले वन योद्धाओं के परिवारों को 40 लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने का वादा किया है। मिलाप और अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट की गई एक अपील में दिया ने कहा, इस साल मेरे जन्मदिन पर, मैं उन सभी लोगों से अनुरोध करती हूं जो मुझे फूल या उपहार भेजना चाहते हैं कि हमारे वनरक्षकों (वन योद्धाओं) की मदद के लिए डब्ल्यूटीआई को पैसे दान करें। उन्होंने कहा, इससे बेहतर मेरे लिए जन्मदिन का उपहार नहीं हो सकता है। आपका उपहार भारत के जंगल संरक्षक के शोक संतप्त परिवारों का समर्थन करने में मदद करेगा, जिन्होंने हमारी प्राकृतिक विरासत की रक्षा करते हुए कोविड -19 के दौरान अपनी जान गंवाई है। अपनी योजना के बारे में बताते हुए, अभिनेत्री ने कहा, 9 दिसंबर को अपने 40वें जन्मदिन से शुरुआत करते हुए, अगले 40 दिनों तक, मैं हर दिन एक लाख रुपए दान करूंगी और उम्मीद करती हूं कि आप सभी अपनी क्षमताओं के साथ योगदान देंगे। वन योद्धाओं के चुनौतीपूर्ण जीवन और उनके काम की प्रकृति पर प्रकाश डालते हुए, दिया ने कहा, वे हमारे संरक्षक है, हमारे वन रक्षक प्रकृति की सेवा में अपनी जान जोखिम में डालते हैं।

अजब-गजब | अजीबोगरीब हैं रस्मों रिवाज

इस देश में रहती है दुनिया की सबसे खूंखार जनजाति

दुनिया में आदिवासियों की कई जनजाति मौजूद है, कुछ जनजाति काफी खूंखार मानी जाती है। आज भी यह अपने पुरानी परंपराओं को पूरे सम्मान से निभाते चले आ रहे हैं। आम इंसान से हटकर यह जंगलों में रहना पसंद करते है, सरकार भी इनकी निजि जिंदगी में दखल देना सही नहीं समझती, इनके अधिकारों की पूरी रक्षा की जाती है। पूरी दुनिया में सबसे खतरनाक मुर्सी जनजाति मानी जाती है, यह इथियोपिया के जंगलों में रहते हैं।

दक्षिण इथियोपिया और सूडान बॉर्डर पर स्थित ओमान घाटी में रहने वाली यह जनजाति दुनियाभर की खतरनाक जनजातियों में गिनी जाती है, इस जानजाति के लोग किसी की भी हत्या करने से पहले नहीं सोचते, उनके लिए यह एक गौरव की बात होती है। यह जनजाति कई साल पुराने खास तरीके से बने हथियारों का इस्तेमाल करती है, इनसें किसी भी व्यक्ति को मिनटों में मारा जा सकता है। यह एक खास वजह है जो इस जनजाति को दुनिया में सबसे खतरनाक बनाता है। मुर्सी जनजाति आज भी सलों से चली आ रही परंपरा को मानती है, इनके यहां दिलदहलाने देने वाली बॉडी मॉडिफिकेशन प्रक्रिया की जाती है औरतों के साथ, उनके निचले होंठ में एक गोल लकड़ी या मिट्टी से बनी डिस्क पहनाई जाती है। ऐसा करने की वजह चौंकाने वाली है कहा जाता इससे महिलाएं कम खूबसूरत दिखेंगी और उन्हें किसी की बुरी नजर नहीं लगेगी। लगभग 10 हजार आबादी वाले इस मुर्सी समुदाय के लोग काफी खतरनाक होते हैं, इनकी इजाज्त लिए बिना आप इनके इलाके में कदम नहीं रख सकते हैं। यह मानते है कि दूसरों को मारे बिना जीवन चक्र नहीं चल सकता है, अगर वह ऐसा नहीं कर पाते हैं तो उनके जीवित रहने का कोई मतलब नहीं है इससे बेहतर होगा की वह खुद को खत्म कर लें। अभी तक इस जनजाति ने 100 से ज्यादा लोगों की जान ले ली है, अगर आप गलती से भी इनके इलाके में चले जाते हैं तो यह आपको मार डालेंगे। मुर्सी जनजाति के खूंखार व्यवहार को देखते हुए सरकार ने लोगों को इन से संपर्क करने पर बैन लगाया दिया है। बाहर आए राष्ट्रप्रमुख सरकारी मेहमानों को एक खास आर्म्ड गार्ड के सुरक्षा घेरे इन्हें देखने के लिए भाजा जाता है। यह सुरक्षा घेरा लोगों को इस समुदाय के गेरों से बचाता है।

80 साल की दादी रोज नाश्ते में खा जाती हैं आधा किलो बालू

अपने दुनिया के कई सारे अजीबो-गरीब लोगों ओर उनकी हैरान कर देने वाली आदतों के बारे में सुना होगा। जो अपनी इस अद्भुत कला के कारण सुर्खियों में बने रहते हैं। उत्तर प्रदेश के वाराणसी की रहने वाली 80 साल की एक बुजुर्ग महिला उसकी अजीबो-गरीब आदतों के कारण सुर्खियों में बनी हुई है। इस बुजुर्ग महिला का नाम कुसमावती देवी है जिनकी उम्र 80 साल है। कुसमावती देवी को एक अजीब लत है जिसके बारे में जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। आप को जानकर हैरानी होगी की 80 साल की कुसमावती देवी हर रोज करीब 500 ग्राम बालू खा जाती है। यह बुजुर्ग महिला आज से नहीं बल्कि 18 साल की उम्र से ही ऐसा कर रही है। हैरान करने वाली बात यह है की इतने सालों से वह बिना किसी नुकसान के बालू को पचा भी रहीं है। जबकि डॉक्टर्स बालू के सेवन को नुकसान देह बताते है। डॉक्टर्स का कहना है की बालू के सेवन से पेट संबंधी बिमारियां होने का खतरा रहता है। कुसमावती ने बताया है कि, जब वह 18 साल की थीं, तब उनका इलाज एक वैद्य ने किया था। उस दौरान वैद्य ने उन्हें कंडे की राख खाने के लिए कहा था। तब से उन्होनें राख खानी शूरू की थी। धीरे-धीरे यह आदत बालू खाने वाली आदत में बदल गई। रिपोर्ट्स के अनुसार कुसमावती देवी खुद बालू लेकर आती हैं। इसके बाद उसे साफ पानी से धोकर सूखा लेती है, फिर उसे खाती हैं। उन्हें ऐसे करने के लिए उनके घर वाले भी मना करते है लेकिन वो किसी की बात नहीं मानती है। उनका कहना है की अगर वो बालू नहीं खाती हैं तो उन्हें नींद नहीं आती है। उनकी इस अजीब आदत ने उन्हें पूरी दुनिया में मशहूर कर दिया है। कुसमावती देवी एक पोल्ट्री फॉर्म चलाकर गुजारा करती है।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर हादसा, मप्र पुलिस के तीन जवानों समेत पांच की मौत

» आरोपी के रिश्तेदारों को लेकर दबिश के लिए हरियाणा जा रही थी पुलिस

» तीन अन्य गंभीर घायल डिवाइडर से टकराने पर उड़े बोलेरो के परखच्चे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। यमुना एक्सप्रेस वे पर आज तड़के थाना सुरीर क्षेत्र में हुए हादसे में मध्य प्रदेश पुलिस के तीन जवानों समय पांच लोगों की मौत हो गई और तीन गंभीर घायल हैं। पुलिस आरोपियों के रिश्तेदार को लेकर हरियाणा के बहादुर गढ़ में दबिश को जा रही थी। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले के थाना बुडेरा क्षेत्र से एक किशोरी को पिंटू नामक युवक बहला-फुसलाकर अगवा कर ले गया था। थाना बुडेरा पुलिस को युवक की लोकेशन हरियाणा के बहादुरगढ़ में मिली थी। युवक को गिरफ्तार कर किशोरी की बरामदगी के लिए थाना बुडेरा में तैनात हेड कांस्टेबल भवानी प्रसाद, कांस्टेबल रतिराम, कमलेंद्र यादव, महिला कांस्टेबल हीरा देवी, आरोपी युवक की बहन प्रीति उसके पति धर्मेंद्र निवासी ललितपुर और सुरक्षा समिति के सदस्य रवि को लेकर बोलेरो से बहादुरगढ़ के लिए जा रहे थे। चालक जगदीश बोलेरो को चला रहे थे। यमुना एक्सप्रेसवे पर माइलस्टोन 80 के समीप बोलेरो डिवाइडर से सुबह करीब चार बजे टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। हादसे में हेड कांस्टेबल भवानी प्रसाद, महिला कांस्टेबल हीरादेवी समेत पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में चालक जगदीश और सुरक्षा समिति सदस्य रवि भी शामिल हैं। कांस्टेबल रतिराम, कमलेंद्र महिला प्रीति और उसके पति धर्मेंद्र का उपचार औरंगाबाद स्थित अग्रवाल लाइन अस्पताल में चल रहा था। उपचार के दौरान सिपाही कमलेंद्र ने भी नौ बजे दम तोड़ दिया। करीब एक घंटे तक घायल बोलेरो में फंसे रहे। एसपी ग्रमीण श्रीश्चन्द्र ने हादसे में पांच लोगों के मरने की पुष्टि की है।

उद्धव ठाकरे हैं एक्सीडेंटल चीफ मिनिस्टर: जावड़ेकर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी सरकार को 'महा विश्वासघाती अघाड़ी सरकार' बताया है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया है कि उद्धव ठाकरे धोखे से मुख्यमंत्री बने हैं। शिवसेना के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार ने अपने दो साल पूरे कर लिए हैं। हाल ही में केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने भी दावा किया था कि मार्च में भाजपा महाराष्ट्र में सरकार बनाने जा रही है।

जावड़ेकर ने कहा, 'उद्धव ठाकरे सरकार ने दो साल पूरे कर लिए हैं। हमने इससे ज्यादा भ्रष्ट, मौकापरस्त और जन विरोधी सरकार राज्य में नहीं देखी। उन्होंने कहा, 'उद्धव ठाकरे एक्सीडेंटल चीफ मिनिस्टर हैं। वे धोखेबाजी से मुख्यमंत्री बने हैं। मतदाताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर भाजपा-शिवसेना गठबंधन को वोट दिया था लेकिन उन्होंने धोखा दिया और मोदी विरोधियों के साथ गठबंधन कर लिया।' इस दौरान उन्होंने कई मौजूदा मंत्रियों पर भी आरोप लगाए।

लखनऊ : लड़ाकू विमान मिग-21 का पहिया चुरा ले गए स्कार्पियो सवार

» ट्रेलर चालक से पूछताछ कर रही वायुसेना, पुलिस भी जांच में जुटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीकेटी एयरफोर्स स्टेशन से लड़ाकू विमान का पहिया लेकर जा रहे एक ट्रेलर में चोरों ने सेंध लगा दी। काली स्कार्पियो सवार चोरों ने ट्रेलर को रोका और उसके रस्से को काटकर एक पहिया चुरा लिया। ट्रेलर के चालक ने आशियाना थाना में मामला दर्ज कराया है। आशियाना पुलिस शहीद पथ के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। जिससे उस काली स्कार्पियो सवार चोरों का पता लगाया जा सके। इस बीच ट्रेलर शेष टायर लेकर जोधपुर वायुसेना स्टेशन पहुंच गया। जहां वायुसेना ट्रेलर चालक से पूछताछ कर रही है।

बख्शी का तालाब स्थित मिग 21 की स्क्वाड्रन के लड़ाकू विमानों के पांच टायरों को जोधपुर वायुसेना स्टेशन भेजा जा गया था। बीती 27 नवंबर को रात करीब दो बजे जोधपुर वायुसेना स्टेशन से संबद्ध ट्रेलर आरजे01जीए-3338 को अजमेर के मायापुर का रहने वाला चालक हेम सिंह रावत ले जा रहा था। ट्रेलर शहीद पथ के रास्ते कानपुर की ओर जा रहा था कि एसआर होटल के पास जाम लग गया। जाम के बीच फंसे हुए ट्रेलर के पीछे चल रही ब्लैक स्कार्पियो से दो चोर उतरे। उन्होंने धारदार हथियार से बिना रुके टायरों को जिस रस्से से बांधा गया था। उसे काट दिया। इससे पहले की हेम सिंह कुछ समझ पाता चोर एक टायर उतार कर स्कॉर्पियो से भाग निकले। हेम सिंह ने मौके पर ही इस घटना की सूचना 112 नंबर पर पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ट्रेलर को आशियाना थाने ले गई।

सूचना पर वायुसेना पुलिस भी बख्शी का तालाब वायुसेना स्टेशन से आ गयी। इस मामले की पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली। आशियाना इंस्पेक्टर धीरज शुक्ल ने बताया कि काली स्कार्पियो की तलाश के लिए शहीद पथ से लेकर आसपास के सभी रास्तों के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही चोरों का पता लगा लिया जाएगा। हेम सिंह वाहन का मालिक है और कई साल से वायुसेना स्टेशन जोधपुर में अटैच है।

छात्र ने फांसी लगाकर दी जान, परिवार में कोहराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» शिक्षक की पिटाई से क्षुब्ध था छात्र

एटा। जनपद में बागवाला थाना क्षेत्र के गांव कासौन निवासी कक्षा आठ के 12 वर्षीय छात्र ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनों का आरोप है कि विद्यालय में शिक्षक के डांटने और पीटने से किशोर क्षुब्ध था। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। पुलिस का कहना है कि तहरीर नहीं मिली है।

गांव कासौन निवासी नरेश ने गुरुवार को पोस्टमार्टम हाउस पर बताया कि उनका 12 वर्षीय पुत्र सचिन गांव के ही विद्यालय में कक्षा आठ में पढ़ता था। बुधवार को वह सुबह के समय स्कूल गया। वहां किसी बात को लेकर साथियों से मारपीट हो गई। इस पर स्कूल के शिक्षक ने उसे कमरे में बंद कर मारपीट की और बैग बाहर फेंक कर परिजनों को बुलाकर लाने को कहा। इसी बात को लेकर सचिन ने घर आकर दोपहर करीब दो बजे फांसी लगा ली। अन्य बच्चों के घर पहुंचने पर मामले की जानकारी हुई। नरेश ने कहा कि थाने में तहरीर दे दी है। नरेश ने बताया वह खेतीबाड़ी के साथ पल्लेदारी का कार्य करता है। बुधवार को काम के सिलसिले में एटा आया था। पत्नी संगीता देवी खेत पर गईं थी जबकि अन्य बच्चे स्कूल से नहीं लौटे थे। इस दौरान ही सचिन को फांसी लगाने का मौका मिल गया। सीओ सिटी कालू सिंह ने बताया कि छात्र द्वारा घर जाकर फंसी लगाई गई है। परिजनों द्वारा अभी तक कोई तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कराई जाएगी।

राजधानी में सेना के जवान समेत दो कोरोना संक्रमित, बढ़े मरीज

» ओमिक्रॉन वेरिएंट को देखते हुए जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजे गए नमूने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में बीते 24 घंटे में 12 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए। इसमें राजधानी में दो केस मिले हैं। इसके साथ सक्रिय केस बढ़कर 93 हो गए हैं। बीते पांच दिनों से मरीजों के बढ़ने का सिलसिला फिर जारी है। 27 नवंबर को सक्रिय केस 86 थे। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि वह कोरोना से बचाव के लिए मास्क अनिवार्य रूप से लगाएं। दो गज की शारीरिक दूरी के नियम का सख्ती से पालन करें।

लखनऊ में लद्दाख से लौटे आर्मी के जवान में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। साथ ही इंदिरानगर निवासी एक अन्य व्यक्ति में भी संक्रमण की पुष्टि हुई है। दोनों मरीजों के नमूने जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए केजीएमयू भेजे गये हैं। डिप्टी सीएमओ डॉ. मिलिंद वर्धन के अनुसार इंदिरा नगर और पीजीआई से दो कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं। इनमें एक सेना के जवान हैं। जांच में संक्रमण की पुष्टि हुई है जबकि दूसरे मरीज का इलाज पीजीआई में चल रहा है।

तो आप और सपा में पक रही सियासी खिचड़ी!

केजरीवाल के बयान से गठबंधन के मिल रहे संकेत, यूपी में सियासी जमीन तलाशने में जुटी आम आदमी पार्टी

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी ने घोषणा की थी कि वह सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी लेकिन इस बीच आप सांसद संजय सिंह ने जब सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की तो दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन की चर्चा गर्म हो गयी। अब दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी इसी ओर संकेत किया है। उन्होंने कहा कि यूपी में अखिलेश सरकार बना सकते हैं। गठबंधन पर दोनों पार्टियों की रणनीति क्या होगी? ऐसे सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार राजेश बादल, शीतल पी सिंह, ममता त्रिपाठी, डॉ. लक्ष्मण यादव, आप प्रवक्ता वैभव माहेश्वरी और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

लक्ष्मण यादव ने कहा, अखिलेश यादव की सभाओं में आने वाली भीड़ ने सियासी दलों को बड़ा संदेश दिया है। वे छोटे दलों के साथ गठबंधन कर चुनावी जीत का माहौल बना रहे हैं। आप भी यूपी में अपनी सियासी जमीन तलाश रही है। लिहाजा वह सपा के साथ जा सकती है।

शीतल पी सिंह ने कहा, भाजपा हिंदुत्व के नाम पर फिर चुनाव में जाने की तैयारी कर रही है। सपा-बसपा के सामाजिक आधार में भाजपा ने सेंध लगा चुकी या है और यह आधार अभी भी बना हुआ है। ऐसे में सभी को मिल-जुलकर लड़ने की जरूरत समझ आयी है। अधिकांश पिछड़ी और दलित जातियां संगठित हैं। ममता त्रिपाठी ने कहा, केजरीवाल ने काफी बेहतर काम किया है। यहां दिल्ली सरकार की तर्ज पर काम किया जाए तो यूपी की शिक्षा व्यवस्था सुधर सकती है। चुनाव के लिए काडर चाहिए। आप इसलिए सपा के साथ जाना चाहती है। राजेश बादल ने कहा, अरविंद केजरीवाल को सोचना चाहिए कि क्या वजह है कि उनके पुराने साथी उनसे अलग हो गए। लोकतांत्रिक पार्टी के रूप में उनका चेहरा धुंधला है। वे यूपी में सियासी जमीन तलाश रहे हैं, अगर अखिलेश यादव आप के साथ जाएंगे तो सपा को नुकसान हो सकता है। वैभव माहेश्वरी ने कहा, सपा और आप नेताओं से मुलाकात जरूर कर रहे हैं लेकिन अभी भी हमारी तैयारी चल रही है। सांप्रदायिकता फैलाने वाली भाजपा के लिए अगर दलों को मिलकर उसे हटाना हो तो हटा देना चाहिए।

ओमिक्रॉन को लेकर लखनऊ अलर्ट, कराई जा रही है जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ओमिक्रॉन कितना घातक है अभी हमें नहीं पता लेकिन, इसके स्पाइक प्रोटीन्स में हुए म्यूटेशन्स दुनिया के माथे पर चिंताओं की लकीरें खींच चुके हैं। भारत भी ओमिक्रॉन की एंट्री रोक नहीं सका और दो से तीन केस कर्नाटक में सामने आ चुके हैं। इसे देखते हुए यूपी भी अलर्ट हो गया है। राजधानी लखनऊ के जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने इस वायरस के मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग टीम को सक्रिय रहने के लिए कहा है। कोरोना के नए वैरिएंट को लेकर प्रशासन भी सतर्क है।

डीएम ने चारबाग रेलवे स्टेशन और आलमबाग बस अड्डे का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जांच प्रक्रिया देखी और यात्रियों की 15 दिनों की ट्रैवल हिस्ट्री रखने के निर्देश दिए। साथ ही प्रोटोकॉल का पालन करने को भी सभी से अपील की। उन्होंने कहा कि बाहर से आने वाले सभी यात्रियों की स्क्रीनिंग के बाद ही उन्हें निकलने दिया जाए। हर यात्री की स्क्रीनिंग की जाए। यदि किसी में जरा भी लक्षण या तापमान अधिक मिले तो उसकी जांच कराई जाए। अभिषेक प्रकाश ने भीड़ वाले स्थानों पर लोगों से मास्क पहनने और शारीरिक दूरी बनाए रखने की अपील की।

डीएम के आदेश पर सक्रिय हुई स्वास्थ्य विभाग की टीम

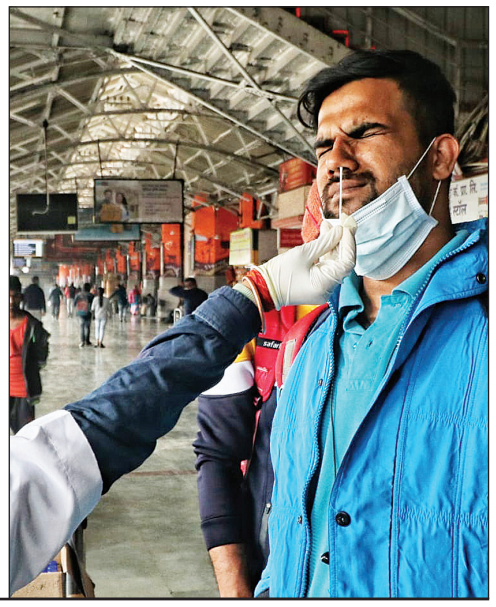

निजी कंपनी भी सुधारेगी लखनऊ की ट्रैफिक व्यवस्था: डीके ठाकुर

» यातायात माह में लखनऊ पुलिस ने दिखाई सख्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यातायात माह खत्म हो गया है और इस एक माह के अंदर ट्रैफिक पुलिस ने 23,692 वाहनों का चालान किया और 17.79 लाख रुपए शमन शुल्क वसूला। यातायात माह खत्म होने के बाद शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को और दुरस्त करने के लिए पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने कमर कस ली है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि एक निजी कंपनी को भी शहर की यातायात-व्यवस्था को सुधारने के लिए वर्क ऑर्डर जारी किया गया है।

23 हजार चालान काटे एक महीने में

जल्द ही उक्त कंपनी शहर में आकर यहां की ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने का रोड मैप तैयार करेंगी। अंत में उन्होंने लोगों से अपील की है कि यातायात-व्यवस्था को एक माह में सुधार नहीं जा सकता है। इसके लिए पूरे साल काम करना होगा और लोगों के साथ के बगैर सारे प्रयास बेकार हैं। उन्होंने शहरवासियों से अपील की है कि शहर के लोग भी यातायात नियमों के पालन को लेकर ना सिर्फ जागरूक हों, बल्कि दूसरों को भी जागरूक करें। पुलिस लाइंस में हुए समापन कार्यक्रम में पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर, मंडलायुक्त रंजन कुमार, जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश, जेसीपी कानून-व्यवस्था पीयूष मोर्डिया, जेसीपी क्राइम नीलाब्जा चौधरी सहित पुलिस के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों ने बताया कि शहर की यातायात-व्यवस्था को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है। बता दें कि पहले की अपेक्षा ट्रैफिक व्यवस्था सुधरी है। राजधानी के कई ऐसे मार्ग हैं, जो ट्रैफिक मुक्त हो चुके हैं।

अमीनाबाद, आलमबाग और भूतनाथ की व्यवस्था जल्द सुधरेगी

पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने बताया कि हाल में ही की गई व्यापारियों की बैठक में अमीनाबाद, आलमबाग और भूतनाथ मार्केट में ट्रैफिक की समस्या को स्थानीय व्यापारियों ने उठाया। इसके लिए जेसीपी कानून-व्यवस्था को इन तीनों जगहों पर ट्रैफिक की व्यवस्था को सुधारने के लिए अलग से कार्य योजना बनाने की जिम्मेदारी दी गई है।

दारोगा से मारपीट में चार गिरफ्तार

» वीडियो वायरल होने पर एक्शन में आई पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में लोग खाकी पर भी हाथ उठाने में संकोच नहीं कर रहे हैं। लखनऊ में कल रात हल्की वाहन दुर्घटना में पीलीभीत से आए दारोगा पर दंबगों ने हमला बोल दिया। उनके साथ मारपीट की। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की गिरफ्त में आने के बाद सभी आरोपित माफी मांग रहे हैं।

दरअसल, लखनऊ के हसनगंज थाना क्षेत्र के निरालानगर पुलिस चौकी के पास पीलीभीत से आए दारोगा विनोद कुमार के साथ अभद्रता तथा मारपीट की गई। निरालानगर पुलिस चौकी से करीब 300 मीटर दूर द रीजेंट्स होटल के बाहर कार की हल्की टक्कर के बाद दबंगों ने वर्दीधारी सब इंस्पेक्टर विनोद कुमार को घेरकर उनके साथ मारपीट की। इसका वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। दारोगा विनोद कुमार किसी आयोग के कागज लाने के सिलसिले लखनऊ में आये थे। इस मारपीट तथा अभद्रता के बाद विनोद कुमार ने हसनगंज थाने में तहरीर दी। विनोद की तहरीर पर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज तथा वायरल वीडियो के आधार पर इंदिरा नगर निवासी आशीष कुमार, उसके साला प्रांजल और दो अन्य को गिरफ्तार कर लिया है।

फोटो: 4पीएम

नमन लखनऊ। भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती पर आज राजधानी लखनऊ में ग्लोब पार्क में स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह, मेयर संयुक्ता भाटिया, जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश व अन्य।

सत्ता में आने के बाद भाजपा भूल जाती है जनता से किए वादे: माया

» बसपा मुखिया ने बीजेपी, सपा व कांग्रेस पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2022 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव को लेकर बेहद गंभीर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती समय-समय पर विपक्षी दलों पर हमला बोलती रहती हैं। बसपा के हर मोर्चा के साथ लगातार बैठक में व्यस्त मायावती ने विधानसभा चुनाव को लेकर विपक्षी दलों के वादों को लेकर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शुक्रवार को दो ट्वीट में भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी तथा कांग्रेस पर निशाना साधा है। मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश में खासकर भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी तथा कांग्रेस आदि इन दिनों प्रदेश की जनता को लुभाने व गुमराह करने के लिए आए दिन प्रलोभन भरे जो चुनावी वादों की झड़ी लगा रहे हैं। मायावती ने कहा कि यह लोग वादा करने के बाद सत्ता में आने के पर अधिकांश को भुला देते हैं। अभी तक का इनका यही इतिहास रहा है। जनता इनसे सतर्क रहे। अर्थात भाजपा व सपा जनता को जो वादे कर रही हैं वह काम उन्होंने यहां अपनी सरकार के रहते हुए क्यों नहीं किए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।